Date	Media outlet	Headline	Edition	AVE
19-Oct	Divya Himachal	JSPL Foundation Launches Rashtriya Swayam Siddh Saman	Chandigarh	21120

'माउंटेन मैन' को मिलेगा सम्मान

- निजी संवाददाता, चंडीगढ़

'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिला के एक गांव के रहने वाले मजदूर थे, जिन्होंने केवल छिनी व हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी मेहनत के बाद एक पहाड़ को काटकर उसमें रास्ता बना दिया। भले ही आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कहानी की जुबानी आज भी जिंदा है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों व शहरों में अपनी सबसे अलग पहचान बनाई है, लेकिन उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कारपोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है।

ऐसे साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है।राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार कर अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई व लोगों की प्रेरणा बने।

- 22 वर्ष पहले पहाड़ को काटकर बनाया था रास्ता
- जेएसपीएल फाउंडेशन तलाश रहा ऐसे प्रतिभागी

हमारा प्रयास, जिंदा रहे उनका एहसास

जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल का कहना है कि ''राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान के आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना व उन्हें बढ़ावा देना है। हमारा प्रयास है कि उन कहानियों को सामने लाया जाए जो अभी तक अनसुनी रही हैं। साहस और संकल्प की यह कहानियां समाज में परिवर्तन लेकर आएंगी। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान ऐसे ही लोगों को सलाम करने और उन्हें एक राष्ट्रीय मंच मुहैया कराने की कोशिश में है।

दिव्य हिमाचल Sun, 18 October 2015
epaper.divyahimachal.cc